आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
दैनिक भास्कर
रायपुर
मंगलवार, 6 फरवरी 2018

# छात्रदर्शन में पहुंचा कैफे संचालक, कहा- छात्र करते हैं परेशान

रायपुर | पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सोमवार को हुए छात्रदर्शन में एक रोचक मामला आया। यहां एक कैफे संचालक पहुंचा। उसने अधिकारियों से कहा कि ऑनलाइन परीक्षा फार्म भरने में 19 तारीख के बाद सिस्टम क्यों बदला? उनसे कहा कि इस तारीख से पहले तक जिन छात्रों के फार्म भरे उसमें पात्रता को लेकर कोई शुल्क नहीं लिया गया। जबकि बाद में फार्म भरने पर पैसे लगे। इसे लेकर छात्र नाराज है और बार-बार अधिक पैसे लेने की बात करते हैं। इसे लेकर विवि ने कहा कि 19 जनवरी के बाद भी कोई बदलाव नहीं हुआ।

दैनिक भास्कर
आप पढ़ रहे हैं देश का सबसे विश्वसनीय और नंबर 1 अखबार
रायपुर
मंगलवार, 6 फरवरी 2018

# रविवि में रीवैल के बाद भी जंचवा सकेंगे आंसरशीट, फीस 15 सौ रु.

एजुकेशन रिपोर्टर | रायपुर

वार्षिक परीक्षा के मूल्यांकन व पुनः पुनर्मूल्यांकन (री-रीवैल) से नाखुश होने वाले छात्र एक और बार अपनी कापियां जंचवा सकते हैं। पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में अपीलीय बोर्ड का सिस्टम लागू किया गया है। राज्य के किसी भी विवि में यह पहला बोर्ड है। इस बोर्ड में कोई भी उम्मीदवार रीवैल के बाद भी अपनी कॉपी जंचवाने की अपील कर सकेगा। इसके लिए उन्हें 1500 रुपए खर्च करने होंगे। अफसरों ने बताया कि इसके लिए छात्रों को आवेदन करना होगा। इसके बाद ही कापियां जंचेगी। इसमें उसे जो अंक मिलेगा वही मान्य रहेगा।

मूल्यांकन को लेकर रविवि में अभी तक यह सिस्टम था कि वार्षिक परीक्षा के नतीजों के बाद छात्र पुनर्मूल्यांकन या पुनर्गणना के लिए आवेदन कर सकते थे। इससे भी नाखुश होने पर वे आंसरशीट की छायाप्रति निकालते थे। इसके आधार पर वे चाहते थे तो पुनः पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करते थे। यह उनके लिए अंतिम अवसर था। इसके बाद भी कई छात्र असंतुष्ट ही रहते थे। लेकिन अब इसमें एक नया सिस्टम जुड़ गया है।

## गड़बड़ी री-रीवैल से ही खुली

पुनर्मूल्यांकन में गड़बड़ी का रविवि में मामला पिछले साल फरवरी 2017 में उछला। भिलाई के एक छात्र की पहली बार कापियां जंची तो उसे हिंदी व अंग्रेजी में कम अंक मिले। छात्र ने रीवैल के लिए आवेदन किया। इसमें भी अंक नहीं बढ़े। फिर उसने आंसरशीट निकाली और पाया कि उसके अंक बढ़ने चाहिए थे। तब री-रीवैल के लिए आवेदन किया। यहां भी अंक नहीं बढ़े। तब रविवि ने फिर अलग से इस छात्र की कापियां जंचवाई। इसके बाद छात्र के अंक बढ़े। इसके बाद से ही यहां पुनर्मूल्यांकन में गड़बड़ी का मामला खुला।